



LIBRARY

1.719

नमः ३

३॥

१ श्रीगुरुदेव नमः ॥ नमः सिद्धि लक्षादती मा लामं नु नु कता
ने नु खुधा जो नमः ॥ सर्व सिद्धि या मिनी खुधा जो सर्व सिद्धि
मा नु खुधा जो नि ख्यादि मान न्द नन्दि ना ये सकल कुल
चक्र ना यि का ये रंगवती वधु का या नि न्ये ने को सो ॥ १ ॥
ॐ को को को को को नमः ॥ १ ॥ को को को य नमः ॥ सिनी निनी
वमा न्द वी वि नमा य पू न यु नमनी सकल द सि ना या य

कु मय ल नी स को म्य दा ला प्र वली सकल स ग पृ य य म नी का
न क २ ह स २ व स २ न न २ प्र पि त्रा क २ ए क गी म म स ग न
म २ २ खा दि २ पि गू ल न रि दि २ किं पि २ ख २ न ता ७ ये
२ क द य २ ॐ नू नू को ता व द्या व सकल म ना न यं सा ध
य २ य न म को न रि क ए न व नी म ह र व नू य धा न नी पि
द ग व न न मि न सकल क स म लु मा ना य व ग न न व ल स

दवीनं क्रीडां क्रीमलकासि कासनागनी हूं हूं हूं यसी
दयसी दमदनागु नां कनू शसु नास न कन्य कां क्रीडी क्रीड
रुडु रुडु स्वाहा ॥

॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्री २०३ वैष्णवेषु श्री कृष्णाय नमः ॥
 दि नमः ॥ ॥ ॥

1719

स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम
स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम

स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम

स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम
स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम

स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम
स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम

स्वस्ति श्री मन् यशु यति च नम

